कलम का सौदा

हिन्दी साप्ताहिक

राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

www.kksnews.com

वर्ष 16 अंक 46 हरिद्वार 09 जुलाई 2022 डाक पंजीयन संख्या: UA/DO/DDN/275/2015-2017 R.N.I. No. UTTHIN/2006/17725 मूल्य 1रुपया पृष्ठ 4

बजट की तरह यूसीसी पर भी जनता से होगी रायशुमारी: सीएम धामी

-समाज के हर वर्ग से समान नागरिक संहिता पर लेंगे सुझाव

-दफ्तरों की कार्यप्रणाली में सुधार और भ्रष्टाचार पर होगा प्रहार

-जल्द मिलेंगे गरीबों को तीन मुफ्त सिलिंडर

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए गठित समिति जनता से सुझाव लेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 100 दिन का कार्यकाल पूरा होने के दौरान यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि उनका मकसद 2025 तक राज्य को देश के श्रेष्ठ राज्यों में शुमार करना है। पहले तीन साल का रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

बृहस्पतिवार को सीएम आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकार के 100 दिन पूरे होने के मौके पर सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने 100 दिन विकास के, समर्पण और प्रयास के विकास पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को आभार जताते हुए कहा कि वह सरलीकरण समाधान और निस्तारण पर काम कर रहे हैं।

सचिवालय में अधिकारियों तक जनता की पहुंच बनाने के लिए ही सोमवार को नो मीटिंग डे घोषित किया है। फील्ड में भी अधिकारियों को रोजाना दस बजे से 12 बजे तक और पर्वतीय क्षेत्रों में एक बजे तक जनता के लिए उपलब्ध रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 100 दिन का कालखंड बहुत ज्यादा तो नहीं होता लेकिन हमने इस अवधि में एक ऐसी सरकार देने का प्रयास किया है जो कि जनता की सरकार है।

उन्होंने कहा कि जब हमारा राज्य 25 साल का होगा तो हम हिंदुस्तान के श्रेष्ठ राज्यों में शुमार होंगे। इसके लिए सभी विभागों का रोडमैप बनाया जा रहा है। पहले तीन साल के रोडमैप के तहत सभी योजनाएं नौ नवंबर 2025 तक पूरी होंगी। इसके बाद दस साल का रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार, महानिदेशक सूचना रणवीर सिंह चौहान, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह प्रदेश वासियों की सरकार है। यहां के हर घर से देश की सेना के लिए वीर पैदा होते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई भी फैसला जनता के सुझाव के बिना अधूरा है। जिस प्रकार बजट से पहले संवाद कर हितधारकों से सुझाव लिए गए। उन सुझावों को बजट में शामिल किया गया। उसी प्रकार, समान नागरिक संहिता पर भी समाज के हर वर्ग से सुझाव लेने के लिए प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर संवाद होंगे। ऑनलाइन माध्यम से सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने मौके पर मौजूद अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को इस संबंध में निर्देश जारी करने को भी कहा। गौरतलब है कि छह माह के भीतर ड्राफ्ट कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एक ओर जहां उनकी सरकार ने इन 100 दिन में सरकारी दफ्तरों की कार्यप्रणाली और कार्य संस्कृति में सुधार किया है तो दूसरी ओर भ्रष्टाचार पर प्रहार करने के लिए 1064 हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। इस हेल्पलाइन नंबर को अब सरकार और मजबूत बनाने जा रही है ताकि भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया जा सके।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए चुनाव पूर्व जो घोषणा की गई थी, उसके तहत जल्द ही तीन मुफ्त सिलेंडर मिलने शुरू हो जाएंगे। बजट में इसके लिए प्रावधान किया गया है। दो वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोरोना महामारी का डटकर मुकाबला किया, तो दूसरी ओर विकास की गति को भी आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यालय में जमे 21 कर्मचारियों का अटैचमेंट समाप्त, मूल तैनाती पर लौटने के आदेश

देहरादून (सू.वि.)। सहकारिता विभाग में वर्षों से मुख्यालय में जमे 21 कर्मचारियों का अटैचमेंट समाप्त कर दिया गया है। उन्हें एक सप्ताह के भीतर मूल तैनाती पर लौटने को कहा गया है। इस संबंध में निबंधक सहकारिता आलोक कुमार पांडेय की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं।

बीते दिनों सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेश के सभी 95 ब्लाक में अनिवार्य रूप सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) सहित दूसरे रिक्त पदों पर कर्मचारियों की कमी को दूर करने के आदेश दिए थे ताकि विभाग की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक आसानी से पहुंचाया जा सके। इस संबंध में अब शासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश में राजकीय पर्यवेक्षक, सहकारिता विकास अधिकारी, सहकारिता निरीक्षक वर्ग-एक और दो आदि पदों पर मुख्यालय और शीर्ष संस्थाओं में अटैच 21 कर्मियों को एक सप्ताह में मूल तैनाती स्थल पर लौटने को कहा गया है। इनमें कुछ कर्मचारियों को मुख्यालय से देहरादून तो कुछ को पौड़ी, अल्मोड़ा, चंपावत, हरिद्वार, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और टिहरी भेजा गया है।

सहकारिता विभाग की बैठक में निर्देश देते हुए काबीना मंत्री डॉ. धन सिंह रावत।

अगले पांच दिन छह जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

देहरादून (संवाददाता)। राज्य में मानसून की दस्तक के साथ ही झमाझम बारिश का भी दौर शुरू हो गया है। पिछले 24 घंटे में दून, चमोली, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, पौड़ी गढ़वाल, चंपावत, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल समेत सभी जिलों में कहीं भारी बारिश तो कहीं मध्यम बारिश हुई है। सबसे अधिक बारिश दून के मोहकमपुर क्षेत्र में 113 मिमी रिकॉर्ड की गई, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक है। वहीं, मौसम विभाग ने पांच दिनों तक राज्य में भारी बारिश तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना जताई है। इसको देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह के मुताबिक, अगले 24 घंटे में जहां दून, नैनीताल और बागेश्वर में भारी बारिश की संभावना है, वहीं मंगलवार और बुधवार को दून, टिहरी, पौड़ी गढ़वाल, नैनीताल और चंपावत में भारी बारिश की संभावना है। सात जुलाई को पिथौरागढ़, बागेश्वर, नैनीताल, दून, टिहरी, पौड़ी गढ़वाल, चंपावत में भारी बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटे के भीतर दून के मोहकमपुर में 113 मिमी, मसूरी में 74.50 और ऋषिकेश में 46 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मूसलाधार बारिश से नदियों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ने लगा है। प्रदेश में एक दिन पहले बंद हुई 81 सड़कों के साथ रविवार को इनमें 84 सड़कें और बंद हो गईं। इस तरह से कुल 165 बंद सड़कों ने राहगीरों की राह रोक दी। इनमें से सुबह से शाम तक मात्र 29 सड़कों को ही खोलने में कामयाबी मिली।

योजनाओं की जांच, बिल्डरों और रियल एस्टेट कारोबारियों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू

देहरादून (संवाददाता)। एमडीडीए सीमा क्षेत्र में निर्मित और निर्माणाधीन आवासीय योजनाओं में 15 फीसदी आवास निर्मल आय वर्ग के लोगों के लिए नहीं बनाने वाले बिल्डरों, रियल एस्टेट कारोबारियों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। शहरी विकास विभाग के निर्देश पर एमडीडीए द्वारा ऐसे सभी निर्मित और निर्माणाधीन आवासीय योजनाओं की जांच की जा रही, जिसमें प्रावधानों के तहत 15 फीसदी आवास निर्बल वर्ग के लोगों के लिए नहीं बनाए गए हैं। एमडीडीए अफसरों का कहना है कि जिस भी आवासीय योजना के बिल्डरों, रियल एस्टेट कारोबारियों द्वारा आवास आय वर्ग के लिए आवास नहीं बनाए गए, उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विकास प्राधिकरणों की सीमा क्षेत्र में निर्मित और निर्माणाधीन आवासीय योजनाओं में 15 फीसदी आवास निर्मल आय वर्ग के लोगों के लिए बनाने का प्रावधान है, लेकिन तमाम ऐसे रियल एस्टेट कारोबारी, बिल्डर्स हैं, जो इन प्रावधानों को दरकिनार आवासीय योजनाओं का निर्माण कर रहे हैं। तमाम ऐसी आवासीय योजनाएं है, जिनमें निर्मल आय वर्ग के लोगों के लिए आवासों का निर्माण नहीं किया गया है।

सम्पादकीय

पहचान

अभिनेता की पोस्ट पर बहुत लोगों ने कहा कि आजकल ऐसा ही हो रहा है। इस तरह के झूठे मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।नेशनल क्राइम ब्यूरो के अनुसार २०२० में हर रोज भारत में सतहत्तर दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष २०१४ में दिल्ली महिला कमीशन ने एक रिपोर्ट में बताया था कि अप्रैल, २०१३ से जुलाई, २०१४ तक दुष्कर्म के जितने मामले दर्ज कराए थे, उनमें से ५३.२ प्रतिशत झूठे पाए गए थे। दर्ज कराए गए २७५३ मामलों में १२८७ मामले सही और १४६४ झूठे थे। सोचें कि जब एक साल का आंकड़ा यह है, तो एक दशक का कितना होगा। कहा तो यह भी जाता है कि भारत में नए दुष्कर्म कानून बनने के बाद झूठे मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह भी बताया जाता है कि अक्सर जब किसी कारण से शादी नहीं हो पाती, माता-पिता को पता चलता है कि लड़की, लड़के के साथ लिव इन में थी, या कि दोनों के बीच संबंध रहे हैं और अब शादी नहीं हो पा रही, तो उन्हें लगता है कि इससे समाज में बहुत बदनामी होगी। इसलिए बहुत से मामलों में वे लड़कियों पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने का दबाव डालते हैं। कई बार अन्य कारणों जैसे प्रॉपर्टी, या लड़के के माता-पिता के साथ रहना, कोई प्रेम प्रसंग, लिव इन का टूट जाना, लड़ाई के बाद बदला लेने के लिए आदि के कारण भी ऐसे मामले दर्ज करा दिए जाते हैं। कुछ उदाहरण देखिए-इसी साल अप्रैल में एक स्त्री ने अपने पति पर आरोप लगाया था कि उसके पति ने शादी से पहले उसके साथ दुष्कर्म किया था। लेकिन अदालत में वह इस बात को साबित नहीं कर पाई थी। तब अदालत ने उस पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था।इंदौर में भी एक महिला ने अपने पड़ोसी और उसके दोस्तों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था। बाद में जांच के दौरान पता चला कि इससे पहले भी वह ऐसा आरोप लगा चुकी है। सरकार की तरफ से उसे दो लाख का मुआवजा भी दिया गया था। बहुत से लोग कहते हैं कि झूठे मामलों की बाढ़ का कारण सरकारों की तरफ से मिलने वाला मुआवजा भी है। सबसे ज्यादा हैरत तो यह देखकर होती है, कई बार यदि ऐसे मामलों में लड़की की जान चली जाए तो उसके घर वालों को तरह-तरह के आर्थिक लाभ से लाद दिया जाता है। इसमें बहुत से राजनैतिक दल बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आखिर क्यों? लड़की के साथ अपराध हुआ, उसकी जान चली गई, बदले में पीड़िता के घर वालों को क्यों ऐसे लाभ मिलने चाहिए। इन कारणों से माता-पिता में भी लालच की भावना बढ़ती है। मुआवजे की आस में बहुत बार वे भी अपनी ही लड़कियों से ऐसे केस दर्ज करा देते हैं। जो कई बार झूठे पाए जाते हैं।गाजियाबाद में भी एक महिला ने पड़ोसी पर आरोप लगाया था कि उसने उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया है, बाद में यह मामला भी झूठा साबित हुआ था। महिला पर जुर्माना भी लगाया गया था। आपको उत्तर प्रदेश के विष्णु तिवारी का मामला तो याद ही होगा, जिसने झूठे दुष्कर्म आरोप के कारण पूरे बीस साल जेल में बिताए। जब बाहर आया तो न तो परिवार का कोई सदस्य जिंदा था, कच्चा घर ढह गया था। पास में फूटी कौड़ी नहीं थी, जिससे कोई काम-धंधा शुरू कर सके।अब जब अदालतें और न्यायाधीश भी इस तरह के मामलों पर टिप्पणी कर रहे हैं, ऐसे केसों को झूठा पाए जाने पर महिलाओं को चेतावनी दे रहे हैं, उन पर मुकदमा चलाने के आदेश दे रहे हैं तो इन बातों पर विचार करना जरूरी है कि जब भी महिलाओं के हितों के कानून बनाए जाएं, उन्हें लैंगिक भेदभाव से मुक्त रखा जाए। जिससे कि जो भी सताया गया हो, चाहे स्त्री हो या पुरुष, उसे कानून की मदद मिल सके। ऐसा न हो कि झूठे आरोप लगाने पर भी किसी को सजा हो और कोई झूठे आरोपों के कारण जिंदगी भर के लिए नेस्तनाबूद हो जाए।एक बात और, जैसे ही किसी पर दुष्कर्म का आरोप लगता है, उसके फोटो, नाम सब मीडिया द्वारा लगातार सार्वजनिक कर दिए जाते हैं। बार-बार फोटो दिखाए जाते हैं। आरोपी को एक तरह से अपराधी ही साबित कर दिया जाता है। लेकिन जब यही व्यक्ति आरोप मुक्त हो जाता है तो कहीं कोई खबर नहीं आती। जबकि लड़की का न नाम सार्वजनिक किया जाता है, न ही कोई फोटो दिखाई जाती है, चाहे आरोप झूठा साबित हो जाए। इसलिए यह भी जरूरी है कि जब तक आरोप साबित न हो जाएं, जिस तरह से लड़कियों की पहचान छिपाई जाती है, लड़कों की भी पहचान छिपाई जानी चाहिए। आखिर उनके मानव अधिकारों का ध्यान भी रखा जाना चाहिए।

राजस्थान भाजपा में हार से बढ़ी तकरार

रमेश सर्राफधमोरा

राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटों के लिए संपन्न हुए चुनाव में भाजपा एक सीट ही जीत सकी थी। भाजपा के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े सुभाष चंद्रा को भी पार्टी के पूरे वोट नहीं मिल पाये थे। जिससे वह चुनाव हार गए थे। सुभाष चंद्रा को मात्र 30 वोट ही मिले थे। जबकि भाजपा के विजेता रहे प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी को 43 वोट मिले थे।

राजस्थान में भाजपा के 71 विधायक है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के तीन विधायकों ने भी सुभाष चंद्रा के पक्ष में वोट डाला था। जीतने के लिए 41 वोटों की जरूरत थी। इस तरह भाजपा के घनश्याम तिवारी को 41 वोट देने के बाद 34 वोट बचते थे। इस हिसाब से सुभाष चंद्रा को 34 वोट मिलने चाहिए थे मगर मिले मात्र 30 वोट ही। भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा ने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी। वहीं पार्टी के दो अन्य विधायकों ने भी निर्दलीय सुभाष चंद्रा को वोट न देकर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी के ही पक्ष में वोट डाल दिया था।

पार्टी प्रत्याशी के खिलाफक्रास वोटिंग करने के कारण भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने धौलपुर से पार्टी विधायक शोभारानी कुशवाह को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। वहीं दो अन्य विधायक जिन्होंने सुभाष चंद्रा के बजाय भाजपा प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी के पक्ष में वोट डाला उनके खिलाफपार्टी कोई कार्यवाही नहीं कर सकती है। क्योंकि उन्होंने पार्टी के प्रत्याशी को ही वोट दिया था। हालांकि अंदर खाने चर्चा है कि ऐसा उन्होंने पार्टी के एक बड़े नेता के इशारे पर किया था। कांग्रेस पार्टी द्वारा आसानी से तीनों सीटें जीत लेने व भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा के पक्ष में किसी भी निर्दलीय या अन्य किसी दल के प्रत्याशी का वोट नहीं मिलना भाजपा के प्रदेश नेतृत्व की कमी को ही दर्शाता है।

भाजपा का प्रादेशिक नेतृत्व पिछले काफी समय से नेताओं की आपसी गुटबाजी में फंसा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया एक दूसरे के विरोधी गुट से होने के चलते राजस्थान में भाजपा भी गुटों में बंटी हुई है। इसी के चलते राज्यसभा चुनाव में 13 में से एक भी निर्दलीय प्रत्याशी का वोट सुभाष चंद्रा के पक्ष में नहीं डल पाया। ऊपर से वसुंधरा राजे समर्थक शोभारानी कुशवाहा ने कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर भाजपा की फजीहत करवा दी।

राज्यसभा चुनाव में शिकस्त खाने के बाद वसुंधरा राजे समर्थक प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया को उनके पद से हटाने की मांग करने लगे हैं। वही सतीश पूनिया समर्थक भी दबी जबान से वसुंधरा राजे को ही क्रास वोटिंग का जिम्मेदार बता रहे हैं। वसुंधरा समर्थकों का आरोप है कि राजस्थान में निर्दलीय विधायकों की संख्या 13 है तथा माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो व राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। इस तरह देखे तो कांग्रेस के बाहर 18 अन्य ऐसे विधायक थे जो कांग्रेस व भाजपा दोनों के प्रत्याशियों को हराकर चुनाव जीते थे। मगर कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन सभी 18 विधायकों से तालमेल बैठाकर राज्यसभा चुनाव में वोट ले लिया। चर्चा यह भी है कि भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा गहलोत के ही माली समाज की होने के चलते भी गहलोत के कहने से वोट डाल दिया।

कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने के बाद अपने निष्कासन पर सफाई देते हुए शोभारानी कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के ही बड़े नेता पार्टी में रहकर उनके खिलाफ गतिविधियां चलाते थे। ऐसे में उनका भाजपा से जुड़े रहने का कोई कारण नहीं रह गया था। शोभारानी कुशवाहा अपने पति को उम्र कैद की सजा होने के बाद उनकी विधायकी समाप्त होने पर उपचुनाव में वसुंधरा राजे के प्रयास से भाजपा में शामिल होकर उपचुनाव में विधायक बनी थी। फिर 2018 के चुनाव में भी उन्हें भाजपा ने टिकट दिया था और वह चुनाव जीत गई थी। शोभारानी कुशवाहा के परिजनों पर ढाई सौ करोड़ का चिटफंड घोटाला करने का भी आरोप लगा हुआ है। जिसके चलते उनके पति व देवर जेल की हवा भी खा चुके हैं।

भाजपा राजस्थान में 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद से सभी बड़े चुनावों में हार रही है। राजस्थान में चार सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में सिर्फएक सीट पर ही बीजेपी जीत सकी। इस चुनाव में कांग्रेस की दो और बीजेपी की एक सीट पक्की थी। चौथी सीट के लिए मुकाबला था। लेकिन बीजेपी चुनावी प्रबंधन में कांग्रेस से बाजी हार गई। क्रॉस वोटिंग ने भी भाजपा को चिंता में डाल दिया है। इससें पूर्व जून 2020 को राजस्थान में 3 सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने दो प्रत्याशी जिताने में कामयाब रही थी। जबकि बीजेपी के राजेन्द्र गहलोत ही जीत दर्ज कर सके थे। भाजपा के दूसरे प्रत्याशी ओंकार सिंह लखावत को मात्र 20 वोट मिल थे। उस वक्त भाजपा का एक वोट रिजेक्ट हो गया था तथा 2 वोट अनुपस्थित रहे थे।

28 जनवरी 2019 में अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी साफिया जुबेर खान ने भाजपा के सुखवंत सिंह को 12 हजार 228 मतों से हराया था। 24 अक्टूबर 2019 को राजस्थान के मंडावा और खींवसर सीट के विधायको के सांसद बनने से हुए उपचुनाव में मंडावा से कांग्रेस की रीटा चौधरी और खींवसर से बीजेपी की सहयोगी आरएलपी के नारायण बेनीवाल ने जीत दर्ज की थी। 2018 में हुए चुनाव में मंडावा सीट से बीजेपी के नरेन्द्र खीचड़ व खींवसर सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल जीते थे।

नफरत की इंतेहा और विश्वगुरु बनने का भरम ?

निर्मल रानी

घिनौनी जातिवादी मानसिकता रखने वाले तथाकथित उच्च जाति के लोगों की अभद्रता व गुंडागर्दी का पिछले दिनों एक और मामला सामने आया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर जोमैटो के दलित समाज से संबंध रखने वाले एक डिलीवरी ब्वॉय के हाथों से तथाकथित श्उच्च जातिश् के एक ग्राहक ने खाना लेने से इंकार कर दिया। आरोप है कि ग्राहक को जैसे ही डिलीवरी ब्वॉय के दलित होने का पता चला। उसने खाना लेने से इंकार कर दिया। खबरों के अनुसार लखनऊ शहर के आशियाना इलाके का रहने वाला विनीत रावत नामक एक युवक जोमैटो फूड सप्लाई सर्विस में डिलीवरी बॉय के रूप में अपनी सेवाएं देकर अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करता है। गत 18 जून (शनिवार) की रात विनीत रावत आशियाना क्षेत्र में ही अजय सिंह नाम के किसी ग्राहक के घर खाने की डिलीवरी लेकर पहुंचा। अजय सिंह ने डिलीवरी ब्वॉय से उसका नाम पूछा। जैसे ही उसने अपना नाम विनीत रावत बताया, ग्राहक अजय सिंह उसका नाम सुनते ही आग बबूला हो गया। पहले तो उसने खाने का पैकेट यह कहते हुए फेंक दिया कि श्हम दलित का छुआ हुआ खाना नहीं खाएंगे। इसके बाद उस तथाकथित श्उच्च जातिश् के दुष्ट व्यक्ति ने उस मेहनतकश डिलीवरी बॉय के मुंह पर थूक दिया। जब विनीत रावत ने उसकी इन हरकतों का विरोध किया और ग्राहक से आर्डर कैंसिल करने का निवेदन किया तो आरोपी अजय और उसके परिवार के अनेक सदस्यों ने मिलकर उसकी काफी देर तक पिटाई भी की।

किसी फूड डिलीवरी ब्वॉय को उसकी जाति के आधार पर अपमानित करने की देश की यह कोई पहली घटना नहीं है। अब तक देश में ऐसी दर्जनों घटनाएँ हो चुकी हैं जिसमें कभी किसी जातिवादी ग्राहक ने किसी दलित युवक के हाथों से खाना लेने को मन किया तो कभी किसी साम्प्रदायिकतावादी ग्राहक ने किसी मुसलमान डिलीवरी ब्वॉय के हाथों से खाना लेने से इनकार किया व इन्हें अपमानित भी किया। ऐसे ही श्जातिवादी श्संस्कारों में पोषित स्कूलों के श्उच्च जाति श् के बच्चे कई बार उत्तर प्रदेश,झारखंड,बिहार व मध्य प्रदेश जैसे अनेक राज्यों में आंगनवाड़ी व अपने स्कूलों की दलित समाज से सम्बन्ध रखने वाली मेड के हाथों का बना भोजन खाने से इंकार कर चुके हैं। दलित समाज के किसी दूल्हे को तथाकथित श्उच्च जातिश् के दबंगों द्वारा घोड़ी से उतारे जाने की घटनाएं भी हमारे श्विश्व गुरु श् बनने की दिशा में कथित तौर पर श्सरपटश् भाग रहे भारतवर्ष में अक्सर होती रहती हैं। जातिवादी उत्पीड़न की घटनायें केवल किसी डिलीवरी ब्वॉय ,मेड या दलित दूल्हे की घुड़ड़चढ़ी तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि दलित समाज से सम्बन्ध रखने वाले देश के दर्जनों उच्चाधिकारी यहाँ तक कि आई ए एस रैंक तक के कई अधिकारी इस विषय पर अपने व्यक्तिगत कटु अनुभव सार्वजनिक रूप से सांझा करते रहे हैं।

आखिर कोई वजह तो थी कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जैसे महान कानूनविद व संविधान विशेषज्ञ को 1935 में यह कहना पड़ा था कि श्मैं हिंदू धर्म में पैदा जरूर हुआ, लेकिन हिंदू रहते हुए मरूंगा नहींश? बाबा साहब को दलित समाज को संबोधित करते हुए यह क्यों कहना पड़ा था कि -श्यदि आप एक सम्मानजनक जीवन चाहते हैं तो आपको अपनी मदद स्वयं करनी होगी और यही सबसे सही मदद होगी... अगर आप आत्मसम्मान चाहते हैं, तो धर्म बदलिए, अगर एक सहयोगी समाज चाहते हैं, तो धर्म बदलिए, अगर ताकत और सत्ता चाहते हैं तो धर्म बदलिए, समानता, स्वराज और एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं जिसमें खुशी खुशी से जी सकें तो धर्म बदलिए श? आखिर कुछ तो वजह रही होगी जिसके चलते 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर स्थित दीक्षाभूमि में अंबेडकर ने लाखों दलितों वंचितों के साथ हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया? इसी दिन अंबेडकर ने सामूहिक धर्म परिवर्तन का एक कार्यक्रम भी किया और अपने अनुयायियों को शपथ दिलवाई कि बौद्ध धर्म अपनाने के बाद किसी हिंदू देवी देवता और उनकी पूजा में विश्वास नहीं किया जाएगा। हिंदू धर्म के कर्मकांड नहीं होंगे और ब्राह्मणों से किसी किस्म की कोई पूजा अर्चना नहीं करवाई जाएगी।

परन्तु हमारे देश की सत्ता और सत्ता समर्थित नेता व मीडिया हिन्दू धर्म में व्याप्त जमीनी हकीकत बन चुकी इन जातिवादी सच्चाइयों से निपटना व इन्हें दूर करना तो दूर उल्टे न केवल इनसे आँखें मूंदे हुए है बल्कि प्राय: इस व्यवस्था को समर्थन देते भी दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं बल्कि इस अतिआवश्यक विमर्श से मुंह मोड़कर दूसरे गैर जरूरी विषयों की ओर समाज का ध्यान भटकाकर इस जातिवादी व्यवस्था को यथावत रखने में दिलचस्पी रखते हैं। इसी जातिवादी व्यवस्था वाले धर्म में श्घर वापसी श् कराकर अपनी श्विजय पताकाश् लहराते रहते हैं। जबकि इसी दुर्भाग्य पूर्ण व्यवस्था से दुखी दलित समाज के लोग आये दिन कहीं ईसाई धर्म तो कहीं बौद्ध धर्म स्वीकार करते रहते हैं। परन्तु इन सांस्कारिक जातिवादी विडंबनाओं से लड़ने के बजाये इसी व्यवस्था के पोषक कुछ लोग लाठी डंडों से लैस होकर कभी धर्म परिवर्तन करने वालों पर तो कभी करवाने वालों पर हमलावर हो जाते हैं। हास्यास्पद तो यह है कि अब कुछ शातिर शातिर जातिवाद पोषकों द्वारा भारत में इस जातिवादी वैमनस्य का कारण भी मुगल शासकों को बताया जाने लगा है। जबकि हिन्दू धर्म में वर्ण व्यवस्था का इतिहास इस्लाम धर्म के उदय से शताब्दियों पुराना है। हिन्दू धर्म में चार वर्णों की व्यवस्था इस्लाम,मुसलमान या मुगलों द्वारा नहीं की गयी थी।

कैमरे के सामने ही पैंट उतारकर ऐसे पोज देने लगीं निक्की तंबोली, तस्वीर देख फैंस के छूटे पसीने

'बिग बॉस 14' में अपने जलवे बिखेरने के बाद निक्की तंबोली लगातार लाइमलाइट

में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीर शेयर कर दी है कि वो तहलका मचा रही है. तस्वीर में एक्ट्रेस कैमरे के सामने पैंट खोलकर बैठी हुई हैं.

इस तस्वीर में निक्की तंबोली ब्लैक कलर की मोनोकिनी पहने नजर आ रही हैं.

एक्ट्रेस इसे पहनकर जमीन पर बैठी हैं और किलर पोज दे रही हैं.

मोनोकिनी के साथ निक्की तंबोली ब्लैक कलर की पैंट भी पहनी हैं. एक्ट्रेस की ये बोल्ड फोटो देख उनके फैंस दंग रह गए. अपने लुक को पूरा करने के लिए निक्की ओपन हेयर के साथ लाइट मेकअप में दिखीं.

निक्की तंबोली इस फोटो में कैमरे के सामने किलर पोज देती नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों को निक्की ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा- 'डबल टैप करो.'

इससे पहले निक्की तंबोली ने सोशल मीडिया पर इसी ड्रेस को पहने कुछ और फोटोज शेयर की थीं. इन फोटोज में एक्ट्रेस कैमरे के सामने लेटकर पोज देती हुई दिखाई दीं. एक्ट्रेस की अदाएं इतनी ज्यादा कातिलाना थीं कि लोग उनके इस फोटोशूट पर जमकर कमेंट करने लगे. इस फोटोशूट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'आपका ध्यान खींच लियाज्इसलिए अब कैप्शन की जरूरत नहीं है.'

गौरतलब है कि निक्की तंबोली वैसे तो साउथ सिनेमा की अदाकारा हैं, लेकिन 'बिग बॉस 14' के बाद से उनकी पहचान काफी बढ़ गई है. हालांकि, निक्की 'बिग बॉस 14' जीत नहीं पाईं, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा हुआ है. इस शो के बाद निक्की 'खतरों के खिलाड़ी' शो में भी नजर आई थीं जिसमें फैंस ने उनके काम को बहुत पसंद किया. पिछली बार निक्की म्यूजिक वीडियो 'दिल किसी से' में दिखीं थीं.

भूलभुलैया 2 के फैंस के लिए आई बड़ी खुशखबरी, अब फिल्म का तीसरा पार्ट बनाने जा रहे हैं मेकर्स

हाल ही में कार्तिक आर्यन की फिल्म भूलभुलैया 2 रिलीज़ हुई है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। इस फिल्म के रिलीज़ होने से पहले दर्शकों और मेकर्स को भी ये उम्मीद नहीं थी फिल्म इतना बेहतरीन प्रदर्शन करेगी लेकिन वाकई कार्तिक का जादू अब सबके सिर चढ़कर बोल रहा है। भूलभुलैया के पहले पार्ट को भी इसी तरह से दर्शकों ने पसंद किया था।

वहीं यदि आप भी भूलभुलैया 2 के फैंस हैं तो आपके लिए भी मेकर्स बड़ी खुशखबरी लेकर आए हैं। हाल ही में अनीस बज़्मी ने ही फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी दी है जो भूलभुलैया फैंस के लिए बेहद खास हो सकती है। इस खबर के बाद तो फैंस भी अब काफी खुश नज़र आ रहे हैं। बताया जा रहा है किअब मेकर्स इस फिल्म के तीसरे पार्ट यानि भूलभुलैया 3 पर काम शुरू कर सकते हैं।

सबसे पहले भूलभुलैया का पहला पार्ट आया था जिसमें अक्षय कुमार नज़र आए थे वाकई अक्षय ने अपनी एक्टिंग से इस फिल्म को सफल बना दिया। वहीं विद्या बालन ने भी कमाल की एक्टिंग की और दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद भूलभुलैया 2 आई। इस फिल्म के दूसरे पार्ट में कार्तिक आर्यन को कास्ट किया। कार्तिक आर्यन को देखकर दर्शकों ने उन्हें नहीं स्वीकारा लेकिन कार्तिक ने अपनी एक्टिंग से वाकई दर्शकों का दिल जीता।

वहीं अब ये फिल्म 200 करोड़ के क्लब में भी शामिल होने वाली है। फिल्म के मेकर्स भी फिल्म की सफलता से काफी खुश नज़र आ रहे हैं। वहीं अब अनीस बज़्मी ने भी फिल्म के फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी है। अनीस ने कहा है कि मेकर्स भूलभुलैया 3 भी बनाना चाहते हैं।

वहीं अनीस के मुताबिक दूसरा पार्ट पहले से भी अच्छा था और तीसरा पार्ट दूसरे से भी अच्छा होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि मेकर्स फिल्म के तीसरे पार्ट पर जल्द ही काम शुरू कर सकते हैं। ऐसे में फैंस भी फिल्म के तीसरे पार्ट के लिए काफी उत्साहित हो गए हैं।

◆ बालीवुड संक्षिप्त

पृथ्वीराज अभिनीत कडुवा की रिलीज 7 जुलाई तक टली

निर्देशक शाजी कैलास की आगामी मास कमर्शियल एंटरटेनर कडुवा की रिलीज को 7 जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है। इस फिल्म में अभिनेता पृथ्वीराज, संयुक्ता मेनन और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अभिनंदन रामानुजम का छायांकन और जेक बिजॉय का संगीत है। पहले यह फिल्म 30 जून को रिलीज होने वाली थी। इंस्टाग्राम पर अभिनेता पृथ्वीराज ने घोषणा की है और उन्होंने लिखा है, बड़े सपने, बड़ी बाधाएं। दुश्मन जितना मजबूत होगा, लड़ाई उतनी ही कठिन होगी! कडुवा की रिलीज को अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण एक सप्ताह के लिए 07/07/2022 तक के लिए टाल दिया गया है।हम शेड्यूल के अनुसार सभी प्रचार गतिविधियों को जारी रखेंगे और इस सामूहिक एक्शन एंटरटेनर के लिए आपके सभी प्यार और समर्थन में विश्वास रखेंगे। हम दुनिया भर के सभी प्रशंसकों, वितरकों और थिएटर मालिकों से गहराई से क्षमा चाहते हैं।इस घोषणा से कुछ घंटे पहले, पृथ्वीराज चेन्नई में एक प्रचार कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने कहा था कि उनकी फिल्म कडुवा एक ताजा बदलाव होगी। अभिनेता ने कहा था कि मलयालम फिल्म उद्योग केवल एक ही शैली को भूल गया था जो सामूहिक एक्शन एंटरटेनर शैली थी और उनकी आगामी फिल्म कडुवा उस दिशा में एक कदम थी।

पठान से सामने आया शाहरुख़ का खतरनाक लुक, देखकर खुश हो गए फैंस

शाहरुख खान एक बेहतरीन अभिनेता है और उनकी फिल्म पठान का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। काफी लंबे समय से पठान के चर्चे हर तरफ हो रहे हैं, हालांकि अब तक शाहरुख या उनके साथ के किसी भी एक्टर का लुक देखने को नहीं मिला था। हालाँकि 25 जून को शाहरुख खान ने बॉलीवुड में 30 साल पूरे कर लिए हैं और इस खुशी के दिन किंग खान ने अपने पठान के लुक को रिलीज कर दिया है जो आप यहाँ देख सकते हैं। आप सभी को बता दें कि पठान में शाहरुख खान एक इंडियन एजेंट का रोल निभा रहे हैं और आप देख सकते हैं इस फिल्म से सामने आया उनका पहला लुक बेहद जबरदस्त है। जी हाँ और हमे यकीन है ऐसे लुक में शायद ही किसी ने पहले कभी शाहरुख को देखा गया होगा। इस समय सोशल मीडिया पर किंग खान ने अपना मोशन पोस्टर शेयर किया है और इसमें आप उन्हें लंबे बूट्स और शर्ट-पैंट पहने, बड़ी खतरनाक दिखने वाले गन हाथ में लिए खड़े हैं। इसी के साथ उनके चेहरे और होठों पर खून लगा हुआ भी देखा जा सकता है। आप देख सकते हैं अपने लुक को शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा, 30 साल हो गए और और भी आगे आएंगे, क्योंकि आपकी मुस्कान और प्यार अंतहीन रही है। पठान के साथ इसे आगे बढ़ाते हैं। 25 जनवरी 2023 को पठान आ रहा है। वैसे शाहरुख खान के लुक के आते ही ट्विटर पर नाम ट्रेंड होने लगा है। किंग खान के फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह देखते ही बन रहा है। जी दरअसल एक यूजर ने लिखा, शाहरुख खान का पठान लुक क्लासी भी है और मासी भी। ये पठान हड्डियां ही नहीं रिकॉर्ड्स भी तोड़ेगा। ब्लॉकबस्टर लुक। इसी के साथ दूसरे ने लिखा, बवाल है ये। इस तरह कई लोग पठान के पहले लुक की तारीफ़ कर रहे हैं।

एक जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी अक्षय की सम्राट पृथ्वीराज

अक्षय कुमार की पीरियड ड्रामा फिल्म सम्राट पृथ्वीराज की नाकामयाबी ने कई सवाल खड़े किए। कुछ लोगों ने फिल्म के लीड कलाकार अक्षय की कास्टिंग को गलत बताया। वहीं, कुछ समीक्षकों ने निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी को फिल्म की असफलता के लिए दोषी बताया। फिल्म 3 जून को सिनेमाघरों में आई थी। अब मेकर्स ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 1 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ओटीटी रिलीज डेट शेयर की है। अमेजन प्राइम ने अपने ट्वीट में लिखा, एक निडर शासक की वीर गाथा सम्राट पृथ्वीराज 1 जुलाई को अमेजन प्राइम पर प्रसारित होगी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है, इसलिए थिएट्रिकिल रिलीज के एक महीने के अंदर इसे ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। उम्मीद है कि ओटीटी पर फिल्म को दर्शक सराहेंगे।

फिल्म की डिजिटल रिलीज को लेकर अक्षय काफी रोमांचित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा, तीन दशक के अपने करियर में मैंने इतनी बड़ी भूमिका कभी नहीं निभाई। मैं इस बात के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि मैं स्क्रीन पर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की भूमिका निभा पाया। अब मैं 1 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो के साथ इस गाथा को हर घर में लाने के लिए उत्साहित हूं।

सम्राट पृथ्वीराज को कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर पटखनी दी है। कमल हासन की फिल्म विक्रम कमाई की रेस में इस फिल्म से आगे निकल गई। अदिवी शेष की फिल्म मेजर से भी सम्राट पृथ्वीराज को क्लैश का सामना करना पड़ा। 20 मई को रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 भी ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। इस फिल्म ने भी अक्षय की फिल्म को टक्कर दी। फिल्म ने दुनियाभर में करीब 260 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो सम्राट पृथ्वीराज 200 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। फिल्म ने भारत में 67.80 करोड़ रुपये बटोरे हैं। इस फिल्म के जरिए पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने बॉलीवुड में कदम रखा है। इसमें उन्होंने राजकुमारी संयोगिता का किरदार निभाया है।

दर्शकों ने अक्षय और मानुषी की जुगलबंदी को नकार दिया है। अक्षय ने इसमें पृथ्वीराज चौहान की भूमिका निभाई है। संजय दत्त और सोनू सूद भी फिल्म का हिस्सा हैं।

अजीबो-गरीब स्टाइल की वजह से बुरी तरह ट्रोल हुई पूजा हेगड़े

टॉलीवुड फिल्म स्टार पूजा हेगड़े हाल ही में मुंबई में जिम के लिए पहुंची। जहां अदाकारा बेहद शॉर्ट और टाइट जिमवियर पहनकर पहुंची थीं। पूजा हेगड़े ने इस दौरान स्किन फिट पिंक जिमवियर पहना था।

मगर साथ ही अदाकारा ने जिम जाते वक्त हाथ में एक बेहद छोटा पर्स कैरी किया हुआ था। साथ ही जिम से बाहर निकलते वक्त अदाकारा ने डिजायर जूती पहनी थी। इतना ही नहीं, इसके साथ एक्ट्रेस ने एक स्टाइलिश सनग्लासेस पहना था।

जिसे देखने के बाद अदाकारा को लोगों ने सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल करना शुरू कर दिया। अदाकारा पूजा हेगड़े इस दौरान अपने साथ में एक बेहद छोटा सा पर्स लेकर पहुंची थीं। जिसे देख लोग बुरी तरह से हैरान हो गए।

इतना ही नहीं, अदाकारा के बेहद टाइट जिमवियर को देखने के बाद अदाकारा को ट्रोल करते हुए कुछ इंटरनेट यूजर्स ने सवाल किया कि वो ऐसे कपड़ों में सांस कैसे लेती हैं। जिम से बाहर आते वक्त अदाकारा पूजा हेगड़े ने एक बेहद स्टाइलिश सनग्लासेस पहने थे।

इन सनग्लासेज को लेकर एक इंटरनेट यूजर ने कमेंट कर कहा, भला ऐसे कौन जिम जाता है। अक्सर लोग जिम करने के लिए स्पोर्ट्स वियर जूते पहनकर जाते हैं। मगर यहां अदाकारा पूजा हेगड़े ने एक डिजायनर जूती पहनी हुई थी। जिसे देखकर भी लोग कमेंट करने से पीछे नहीं रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर डीएम ने ली समीक्षा बैठक, लापरवाही पर लगाई फटकार

ऋषिकेश (संवाददाता)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का आगाज 14 जुलाई को होगा। एक महीने तक चलने वाली यात्रा में नीलकंठ धाम आने वाले श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाएं मिले, इसके लिए जिलाधिकारी पौड़ी डा. विजय कुमार जोगदंडे ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर अभी तक हुई तैयारियों की समीक्षा की। डीएम ने सफाई, पेयजल समस्या, नीलकंठ मोटर मार्ग की मरम्मत नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगायी। 10 जुलाई तक बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

शनिवार को लक्ष्मणझूला क्षेत्र में नीलकंठ मोटर मार्ग स्थित डीएम कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी डा. विजय कुमार जोगदंडे ने कांवड़ यात्रा के मद्देनजर लोक निर्माण विभाग, जलसंस्थान, नगर निकाय, ऊर्जा निगम, स्वास्थ्य आदि विभागों के अधिकरियों के साथ समीक्षा बैठक की।

जिलाधिकारी जोगदंडे ने नीलकंठ कांवड यात्रा के बाबत में पूर्व की बैठक में दिये गये निर्देशों का कितना अनुपालन हुआ इसकी विभागवार जानकारी ली। उन्होंने पेयजल निगम, नीलकंठ स्वच्छता समिति व जिला पंचायत द्वारा पूर्व के निर्देशों के क्रम में पेयजल आपूर्ति तथा साफ-सफाई और आवारा पशु नियंत्रण के संबंध में कार्रवाई नहीं होने पर विभागीय अधिकारियों की क्लास ली। चेताया कि पेयजल आपूर्ति, मोबाइल शौचालय, साफ-सफाई और आवारा पशुओं की समस्या को दूर करने में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने पेयजल निगम को पेयजल की निरंतर व्यवस्था के साथ-साथ टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था बनाने और लीकेज की समस्या को दूर करने के निर्देश दिये।

कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीएम।

मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशवंत सिंह चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. प्रवीण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार मनीषा जोशी, सीओ वैभव सैनी, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी डीपी सिंह, जलकल अभियंता अनिल नेगी, एसडीओ यूपीसीएल रवि अरोड़ा, नगर पंचायत अध्यक्ष माधव अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य क्रांति कपरूवाण, आदेश तोमर, गुरुपाल बत्रा, मदन रावत, त्रिवेंद्र नेगी, दिनेश अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा में यह होगी व्यवस्थाएं

– नीलकंठ मेला क्षेत्र में प्रत्येक रेस्टोरेंट, ढाबों में अनिवार्य रूप से रेट लिस्ट सार्वजनिक रूप से चस्पा करनी होगी।

– नीलकंठ पैदल मार्ग पर वन्य जीवों से सुरक्षा के लिए बाघखाला से नीलकंठ मंदिर तक सोलर लाइटें लगेंगी।

– यात्रा रूटों के विभिन्न प्वाइंटों पर चिकित्सा टीम सहित एंबुलेंस और पर्याप्त दवा की व्यवस्था रहेगी।

– कांवड़ यात्रा को नशा मुक्त बनाने के लिए आबाकारी विभाग नीलकंठ मेला क्षेत्र में करेगा निगरानी।

– पूर्व में चिह्नित स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी, इसकी देख-रेख ग्राम पंचायत स्तर पर होगी।

– नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक बाघखाला के पास अस्थायी शौचालय की व्यवस्था करेगी।

यात्रा से पहले पैचवर्क पूरा करें

नीलकंठ मोटर मार्ग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है।

मार्ग पर कई स्थानों पर बने गड्ढे हादसों का कारण बन सकते हैं। समस्या के दूर नहीं होने पर डीएम पौड़ी ने लोनिवि से मोटर मार्ग के बारे में जानकारी ली। पूछा कि पैचवर्क अभी तक क्यों नहीं हुआ ? डीएम ने गरूड़चटटी, रत्तापानी, घट्टूगाड में पैचवर्क कार्य यात्रा से पहले पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

नई शिक्षा नीति से युवा रोजगार के लिए होंगे तैयार: डॉ. धन सिंह

विकासनगर (सू. वि.)। इंडियन पब्लिक स्कूल राजावाला में 'शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु एक कदम विषय पर आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के समापन पर शिक्षाधिकारियों ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए विचार रखे।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि नई शिक्षा नीति लागू कर छात्र-छात्राओं को रोजगार के लिए तैयार करना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

रविवार वार को हुए कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि स्कूलों में गुणात्मक सुधार के लिए जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और खंड शिक्षाधिकारी की संयुक्त बैठक आयोजित करें। जिससे कि विद्यालयों को सभी योजनाओं का लाभ मिल सके।

अपर परियोजना निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने कहा कि स्कूल मेरा है, इसकी भावना शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों में विकसित की जानी जरूरी है।

इससे प्रत्येक व्यक्ति खुद को स्कूल से जुड़ा महसूस करते हुए उसके विकास के लिए सकारात्मक प्रयास करेगा। महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि पंचायतों को प्राप्त धनराशि से टाईड अनुदान के तहत स्वच्छता, ओडीएफ, स्तर सुदृढ़ीकरण और पेयजल आपूर्ति का लाभ स्कूलों को दिया जा सकता है।

जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा पदमेंद्र सकलानी ने कहा कि विद्यालयों के विकास में सरकार और शिक्षा विभाग के साथ ही समाज की जिम्मेदारी अहम है। स्कूल की खामियों और खूबियों को शामिल कर सुधार पर जोर दिया जाना चाहिए।

विद्या भारती के संगठन मंत्री भुवन चंद्र ने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रम में भारतीय संस्कृति, खान-पान, रीति रिवाज के साथ ही नैतिक शिक्षा को शामिल किया जाना चाहिए।

इस दौरान केके गुप्ता, अशोक कुमार जकारिया, ललित मोहन चमोला, डा. आनंद भारद्वाज, पंकज शर्मा, वीपी सिंह, हिमांशु कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

कावंड़ मेले की तैयारियों का जायजा लेते डीएम।

कांवड़ मेले को लेकर हरिद्वार प्रशासन अलर्ट

हरिद्वार (संवाददाता)। आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। सीएम पुष्कर सिंह धामी कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं की खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है। इसकी मॉनिटरिंग खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कर रहे हैं। कांवड़ मेले को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। 6 तारीख को हमारी उत्तराखंड के साथ लगने वाले अन्य राज्यों के जिले जहां से ज्यादातर कांवड़िये आते हैं। उनके साथ मीटिंग है, जैसे हरियाणा राज्य, यूपी के मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर जिलों के एसएसपी और डीएम के साथ एक मीटिंग रखी गई है। जिसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं 7 जुलाई को देहरादून में खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कांवड़ मेले को लेकर एक बैठक लेंगे। जिसमें कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे ने कहा कि इस बार कांवड़ मेले में कावड़ियों की तादाद ज्यादा होने की संभावना है। इसको लेकर पुलिस के साथ भी एक मीटिंग रखी जाएगी। जिससे आपसी तालमेल के साथ सकुशल कांवड़ यात्रा को संपन्न कराया जा सके। 14 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू होने जा रही है। जिसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों और सैन्य कर्मियों में टकराव

रुड़की (संवाददाता)। सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों और सैन्य कर्मियों में टकराव हो गया। सूचना पर सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस और खूफिया विभाग मौके पर पहुंचा। मामला बढ़ता देख पुलिस ने दोनों पक्षों को किसी तरह समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। ग्रामीणों ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से निर्माण कार्य कराने की मांग की है। बंघेड़ी महावतपुर का मुख्य मार्ग हजारों की आबादी की आवाजाही का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से बंघेड़ी, जलालपुर, टोडा, कल्याणपुर, जौरासी, खटका और नंदा कॉलोनी आदि की करीब एक लाख की आबादी जुड़ी है। रोजाना हजारों की संख्या में ग्रामीण दिन-रात इस मार्ग का उपयोग करते हैं। सालों से मार्ग खस्ताहाल है। ग्रामीणों के अनुसार मंडी समिति की ओर से बंघेड़ी महावतपुर के मुख्य मार्ग के निर्माण कार्य का टेंडर हो गया था। लेकिन हमेशा विवादों में घिरा मुख्य मार्ग बन नहीं पाया। पूर्व में भी निर्माण कार्य को लेकर कई बार सैन्य कर्मी और ग्रामीणों में विवाद हो चुका है। शनिवार को ठेकेदार के साथ मजदूर गांव के मुख्य मार्ग पर पहुंचे।

मजदूरों ने सड़क किनारे की घास को साफ करना शुरू कर दिया। इस बीच सैन्य कर्मी को मुख्य मार्ग के निर्माण की सूचना मिली तो उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। सैन्य कर्मी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने निर्माण कार्य को रोकना शुरू कर दिया। मामले की जानकारी ग्रामीणों को लगी तो भारी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीण और सैन्य कर्मी निर्माण कार्यों को लेकर आपस में टकरा बैठे। कुछ ही मिनटों में मौके पर हंगामा शुरू हो गया। मामला बढ़ता देख किसी ने सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस और खुफिया विभाग भी मौके पर पहुंचा। पुलिस ने किसी तरह दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

चौधरी परशुराम, देवीराम, सलीम, आरिफ बाबा, रविंद्र चौधरी, शमशाद, राजू थापा, अर्जुन, सतपाल, सोनू और जावेद आदि ग्रामीणों ने बताया कि सालों से गांव का मुख्य मार्ग खस्ता हाल में है। कई बार उन्होंने स्वयं भी निर्माण कार्य कराने का प्रयास किया। लेकिन सैन्य कर्मी हर बार निर्माण कार्य में रुकावट पैदा कर देते हैं। सालों से मार्ग के सही नहीं होने से आए दिन ग्रामीण चोटिल भी हो रहे हैं।

मेयर ने किया हाईमास्ट लाइट का उद्घाटन

ऋषिकेश (संवाददाता)। वन सीमा से सटे गीतानगर क्षेत्र में लोगों को वन्य जीवों से अब राहत मिल सकेगी। इसके लिए क्षेत्र में हाईमास्ट लाइट लगाई गई है। शनिवार को गीता नगर कॉलोनी में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मेयर अनिता ममगाईं ने क्षेत्र में लगी हाईमास्ट लाइट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि गुलदार, हाथी आदि के आने से यह क्षेत्र प्रभावित रहा है। हाईमास्ट लाइट लगने से जंगली जानवरों के आने पर रोक लगेगी। साथ ही स ?क दुघर्टनाओं पर भी अंकुश लगेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से ऋषिकेश को विकसित शहर बनाने में सहयोग देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। मौके पर पार्षद विजय बडोनी,अनिल ध्यानी, विजय जुगरान, रिंकी राणा, सुधा बडोनी, राकेश सिंह, गोविंद रिमाल, संजय बडोनी, अजय बडोनी, एमपी बडोनी आदि मौजूद रहे।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक मोहन राजा द्वारा आर. के. प्रिन्टर्स 43/1, धर्मपुर माता मन्दिर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर 95 बी शुभम विहार, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया

सम्पादक

मोहन राजा

फोन नं0- 01334-212184

Mob- 9997426600

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट : के. पी. सिंह (देहरादून)

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून होगा

e-mail

kkalamkasauda@yahoo.in